राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
उत्तराखण्ड
National Institute of Technology,
Uttarakhand

Media Coverage

October 2022

अमर उजाला, सोमवार, 03 अक्टूबर 2022, Page No.02.

श्रीनगर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), गढ़वाल केंद्र विवि, मेडिकल कॉलेज में भी कार्यक्रम हुए। नगर निगम एवं तहसील व कोतवाली श्रीनगर तथा कीर्तिनगर में बापू और शास्त्री के चित्रों पर पुष्प अर्पित किए गए। कार्यक्रम में एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी व प्रभारी कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने लोगों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने की शपथ दिलाई।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय देवप्रयाग व नगर पालिका में भी जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में परिसर निदेशक प्रो. एम. चंद्रशेखर व डॉ. बत्वाल आदि ने विचार रखे।

दैनिक जागरण, सोमवार, 03 अक्टूबर 2022, Page No.02.

विवि और एनआइटी परिसर में चला स्वच्छता अभियान

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बापू और लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित कर उनका भावपूर्ण स्मरण भी किया गया। गढ़वाल विवि के चौरास परिसर में आर्यभट्ट हास्टल के छात्रों ने अभिजीत, सुनील, मनीष के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया। वहीं, एनआइटी की फैकल्टी, छात्रों और अधिकारियों ने संस्थान परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया।

गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री का व्यक्तित्व और कृतित्व हर व्यक्ति के लिए प्रेरणादायी है। एनआइटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि संस्थान परिसर के साथ ही एनआइटी परिवार श्रीनगर शहर और अलकनंदा नदी के तटवर्ती घाट क्षेत्र को स्वच्छ बनाने में भी प्रभावी सहयोग करेगा। प्रो. अवस्थी ने आह्वान करते हुए कहा कि एनआइटी के प्रत्येक विभाग को स्वच्छता अथवा कृषि से संबंधित किसी एक परियोजना पर कार्य करना चाहिए। एनआइटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने स्वच्छता के प्रति सजगता और प्लास्टिक के पूर्ण बहिष्कार को लेकर छात्रों और फैकल्टी को शपथ भी दिलाई गई। डा. जीएस बरार, डा. लालता प्रसाद, डा. हरिहरन मुथुसामी संकाय अध्यक्षों के साथ ही डा. राकेश मिश्रा, डा. कुलदीप सिंह, डा. विनीता नेगी और अन्य कर्मचारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

राष्ट्रीय सहारा, सोमवार, 03 अक्टूबर 2022, Page No.04.

महात्मा गांधी व शास्त्री को याद किया

श्रीनगर(एसएनबी)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने ऑनलाइन कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने समारोह में महात्मा गांधी और द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के बारे में बताया।

इस अवसर पर संस्थान के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी व साथ ही परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। इस मौके पर संस्थान के प्रभारी कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी द्वारा सभी लोगो को एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक से बचाव और स्वच्छता के प्रति सजग रहने के लिए शपथ दिलाई गयी। समारोह में डा. जीएस बरार, डा. लालता प्रसाद, डा. हरिहरन मुथुसामी, डा. राकेश मिश्रा, डा. कुलदीप सिंह आदि मौजूद थे।

अमर उजाला, मंगलवार, 11 अक्टूबर 2022, Page No.04.

एनआईटी के पूर्व निदेशक प्रो. सोनी को किया याद

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड में पूर्व निदेशक प्रो. श्यामलाल सोनी की स्मृति में गोष्ठी आयोजित की गई। संस्थान के निदेशक प्रो. एलके अवस्थी, बीओजी अध्यक्ष डॉ. आरके त्यागी, एनबीए अध्यक्ष प्रो. केके अग्रवाल व गीता सोनी ने गोष्ठी का उद्घाटन किया। संस्थान के निदेशक प्रो. एलके अवस्थी ने कहा कि प्रोफेसर सोनी न केवल एक अच्छे शिक्षाविद थे बल्कि अच्छे इंसान और कुशल प्रशासक भी रहे। प्रो. केके अग्रवाल ने कहा कि एनआईटी उत्तराखंड जैसे युवा संस्थानों के पास उद्योग और समाज की आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम को डिजाइन और परिभाषित करने तथा नए सिरे से शुरू करने के साथ ही एनईपी-2022 लागू करने का बेहतर मौका है। व्याख्यान में प्रो. हरिहरन मुथुसामी, डॉ. जीएस बराड़, डॉ. लालता प्रसाद, प्रभारी रजिस्ट्रार डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी आदि मौजूद थे। संवाद

अमर उजाला, सोमवार, 17 अक्टूबर 2022, Page No.05.

पूर्व राष्ट्रपति की जयंती के उपलक्ष्य में होता है कार्यक्रम

श्रीनगर। एनआईटी उत्तराखंड में राष्ट्रीय नवाचार दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान के इनोवेशन एंड एंटरप्रेंयोरशिप डेवलपमेंट सेल (आईईडीसी) की ओर से प्रौद्योगिकी में हालिया नवीन अनुसंधान प्रवृत्तियों पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। ऑनलाइन आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने की। कहा कि राष्ट्रीय नवाचार दिवस पूर्व राष्ट्रपति कलाम की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। डा. स्मिता कालोनी और डा. हरिहरन मुथुसामी के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में डा. पवन कुमार राकेश, डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डा. जीएस बरार आदि मौजूद थे। संवाद

हिन्दुस्तान, सोमवार, 17 अक्टूबर 2022, Page No.03.

देश का विकास नवाचारों पर निर्भर:प्रो. अवस्थी

श्रीनगर। एनआईटी उत्तराखंड श्रीनगर में राष्ट्रीय नवाचार दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान के इनोवेशन एंड एंटरप्रेंयोनरशिप डेवलपमेंट सेल (आईईडीसी) की ओर से प्रौद्योगिकी में हालिया नवीन अनुसंधान प्रवृत्तियों पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डा. पवन कुमार राकेश, डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डा. जीएस बरार आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा, शुक्रवार, 21 अक्टूबर 2022, Page No.04.

मिलेट्स युक्त खाद्य पदार्थ को बढ़ावा देगा एनआईटी

■ श्रीनगर/एसएनबी।

एनआईटी, उत्तराखंड के रिसर्च एंड कंसल्टेंसी सेक्शन मिलेटस की क्षमता और अन्य उपलब्ध खाद्य पदार्थों के साथ तुलना शीर्षक पर एक ऑनलइन विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिलेटस रिसर्च, हैदराबाद के प्रधान वैज्ञानिक और न्यूट्री हब के सीईओ डा.दयाकर राव संबोधित किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने किया। इस मौके पर प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिलेट्स के उत्पादन और उपयोग पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया है और उनके अथक प्रयासों के परिणाम स्वरुप ही 2023 में अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष मनाने के भारत के प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा में 70 से अधिक देशों ने समर्थन किया, तत्पश्चात संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में घोषित किया। डा.दयाकर राव ने मिलेट्स के महत्व, इसके प्रकारों और वितरण पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि मिलेट्स फसलों का समूह है जिसके अंतर्गत ज्वार, बाजरा, रागी/मंडुआ जैसी फसलों के अलावा छोटे मिलेट्स जैसे कुटकी, कोदो, बार्नयार्ड बाजरा (सावा/झंगोरा), फॉक्सटेल बाजरा (कंगनी/काकुन) आदि आते हैं। कहा कि एनआईटी उत्तराखंड के साथ मिलकर काम करने और इसी संदर्भ में एक द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की इच्छा जाहिर की जिस पर प्रोफेसर अवस्थी ने अपनी सहमति दी और सम्बंधित अधिकारी को एक समझौता मसौदा तैयार का निर्देश दिया। जिसके अंतर्गत संस्थान के मैकेनिकल इंजीनिअरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनिअरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनिअरिंग विभाग के प्रबुद्ध संकाय सदस्य इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मिलेटस रिसर्च के वैज्ञानिको को उपभोक्ता अनुकूल रेडी-टू-यूज़ मिलेट्स आधारित उत्पाद तैयार करने के लिए मशीनी सहयोग प्रदान करेंगे। इस व्याख्यान में डॉक्टर धर्मेंद्र त्रिपाठी, डा. हरिहरन मुथुसामी, डा. जी एस बरार, डा.लालता प्रसाद ने प्रतिभाग किया।

व्याख्यान को विशेषज्ञों ने किया संबोधित

पोषक अनाज उत्पादन के क्षेत्र में एनआइटी करेगा पहल

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : ज्वार, बाजरा, मंडुवा, कुटकी, झंगोरा जैसे पोषक अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) भी पहल करने जा रहा है। इस क्षेत्र में कार्य करने को लेकर एनआइटी और इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मिलेट्स रिसर्च हैदराबाद के मध्य शीघ्र ही एक एमओयू भी होने जा रहा है। इंस्टीट्यूट के मुख्य विज्ञानी और न्यूट्री हब के सीईओ डा. दयाकर राव के साथ वार्ता में एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर गढ़वाल के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने इस द्विपक्षीय समझौते को लेकर सहमति व्यक्त करते हुए एनआइटी के संबंधित अधिकारी को समझौता मसौदा तैयार करने का निर्देश भी दिया है।

मिलेट्स की क्षमता और अन्य उपलब्ध खाद्य पदार्थों के साथ तुलना विषय पर एनआइटी उत्तराखंड के रिसर्च एंड कंसलटेंसी विभाग द्वारा आनलाइन आयोजित व्याख्यान माला के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिलेट्स के उत्पादन और उपयोग पर विशेष रूप से जोर दिय है। पीएम मोदी के अथक प्रयासें के कारण ही वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष मनाने के भारत के प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र महासभा में 70 से अधिक देशों ने समर्थन भी दिया है। जिस पर यूएनओ ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित कर दिया है। प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि ज्वार, बाजरा, मंडुवा जैसी फसलें मिलेट्स सबसे पुराने अनाजों में हैं। गेहूं और चावल की तुलना में मिलेट्स बेहतर पौष्टिक होने के साथ ही कम खर्चीला है। स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न समस्याओं के निदान में भी मिलेट्स पौष्टिक अनाज मदद करता है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि मिलेट्स फसलों की इसी उपयोगिता को देखते हुए एनआइटी के हास्टल के मैस संचालक से छात्रों के लिए मिलेट्स युक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने को भी कहा गया है।

आनलाइन व्याख्यान माला को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित करते हुए इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मिलेट्स रिसर्च हैदराबाद के प्रधान विज्ञानी डा. दयाकर राव ने मिलेट्स के महत्व, इसके प्रकारों, उपलब्धता, उत्पादन, वितरण पर विस्तार से चर्चा की।

अमर उजाला, शुक्रवार, 21 अक्टूबर 2022, Page No.07.

स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है मोटा अनाज

श्रीनगर। एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) के शोध एवं परामर्श अनुभाग की ओर से मोटे अनाज की गुणवत्ता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कहा गया कि मोटा अनाज स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होने के साथ ही सामान्य अनाज की तुलना में सस्ता है।

एनआईटी में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेटस रिसर्च) हैदराबाद के प्रधान वैज्ञानिक एवं न्यूट्री हब के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) डॉ. दयाशंकर राव ने बताया कि ज्वार, बाजरा, रागी/मंडुआ में अत्यधिक पौष्टिक और आसानी से पचने योग्य खाद्य तत्व होते हैं।

डॉ. राव ने उत्तराखंड राज्य में मिलेट्स उत्पादन (मोटे अनाज) की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए एनआईटी उत्तराखंड के साथ मिलकर काम करने और इसी संदर्भ में एक द्विपक्षीय करार करने की इच्छा जाहिर की। एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने इसका मसौदा तैयार का निर्देश दिया। संवाद

हिन्दुस्तान, शुक्रवार, 21 अक्टूबर 2022, Page

ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया

श्रीनगर। एनआईटी उत्तरांखंड श्रीनगर के रिसर्च एंड कंसल्टेंसी अनुभाग की ओर से मिलेटस की क्षमता और अन्य उपलब्ध खाद्य पदार्थों के साथ तुलना शीर्षक पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया।

इस मौके पर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेटस रिसर्च, हैदराबाद के प्रधान वैज्ञानिक और न्यूट्री हब के सीईओ डॉ. दयाकर राव बतौर मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि मिलेट्स फसलों का समूह है। जिसके अंतर्गत ज्वार, बाजरा, रागी/मंडुआ जैसी फसलों के अलावा छोटे मिलेट्स जैसे कुटकी, कोदो, बार्नयार्ड बाजरा, फॉक्सटेल बाजरा (कंगनी/काकुन) आदि आते है। कहा कि मिलेट्स के उच्च पोषक तत्वों के कारण आजकल इन्हे ह्यपोषक-अनाजह्व कहा जाता है।

एनआईटी व विवि हमीरपुर के बीच एमओयू

अनुसंधान और नवाचार सहित अन्य शैक्षणिक गतिविधियां साझा करने से होगा लाभ

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के बीच अकादमिक और अनुसंधान सहयोग पर आधारित एक समझौता (एमओयू) हुआ है। इस समझौते पर एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और तकनीकी विवि के कुलपति प्रो. शशि कुमार धीमान ने हस्ताक्षर किए।

शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में एनआईटी के निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि एमओयू के तहत बहुविषयक और समग्र शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार योग्यता के साथ ही क्षमता निर्माण, डिजिटल सशक्तिकरण बढ़ाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और सफलता पूर्वक संपादन के लिए एनआईटी द्वारा देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। एमओयू से प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को एक-दूसरे संस्थानों के शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी मिल पाएगी।

इसके अलावा विशेष विनिमय छात्रों के पाठ्यक्रम क्रेडिट और अर्जित ग्रेड का निर्धारण मेजबान संस्थान से प्राप्त ग्रेड रिपोर्ट के आधार पर गृह संस्थान द्वारा किया जाएगा। वहीं तकनीकी विवि के कुलपति ने कहा कि आने वाले समय में दोनों संस्थान संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं, पीएचडी छात्रों के संयुक्त पर्यवेक्षण, संयुक्त कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों आदि का आयोजन करेंगे।

श्रीनगर में एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. अवस्थी व तकनीकी विवि के कुलपति धीमान ने एमओयू पर किए हस्ताक्षर। *संवाद*

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी
न्यू फोरेस्ट, देहरादून–248 006
(पर्या.व. एवं ज.परि.म., भारत सरकार)

टेकनिकल एसोसिएट (Lib. & Inf.) पद के लिए संविदा के आधार पर आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं।
वेतन रुपये 40,000/– प्रति माह। विस्तृत जानकारी www.ignfa.gov.in/contractual-engagement, पर उपलब्ध है। अंतिम तिथिः 21.11.2022

एनआइटी और तकनीकी विवि में एमओयू

शोध और शैक्षणिक गतिविधियों से उत्तराखंड व हिमाचल दोनों को मिलेगा फायदा

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: शैक्षणिक गतिविधियों के साथ ही शोध कार्यों और नवाचारों को बढ़ावा देने को लेकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर और हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के मध्य एक एमओयू हुआ है। एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और हिमाचल तकनीकी विवि के कुलपति प्रो. शशि कुमार धीमान ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

हिमाचल तकनीकी विवि के कुलपति कार्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनआइटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि शैक्षिक अनुसंधान, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने को लेकर इस एमओयू के माध्यम से श्रीनगर गढ़वाल और हमीरपुर के मध्य तेजी से कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को भी तेजी से प्राप्त करने को लेकर दोनों संस्थानों की फैकल्टियां व छात्र मिलकर कार्य करेंगे। प्रो. अवस्थी ने कहा कि यह एमओयू हो जाने पर स्पेशल स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत समान संख्या में चयनित छात्रों को एक-दूसरे संस्थान में क्रेडिट-आडिट पाठ्यक्रम में भाग लेने के साथ-साथ अनुसंधान कार्यों को करने में भी विशेष सहायता मिलेगी। प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि इस योजना के तहत क्रेडिट और अर्जित ग्रेड का निर्धारण मेजबान संस्थान से प्राप्त ग्रेड रिपोर्ट के आधार पर गृह संस्थान की ओर से किया जाएगा। हिमाचल तकनीकी विवि हमीरपुर के कुलपति प्रो. शशि कुमार धीमान ने कहा कि एनआइटी और तकनीकी विवि के मध्य हुआ यह एमओयू छात्रों के साथ ही भविष्य में फैकल्टियों के लिए भी मील का पत्थर साबित होगा। दोनों संस्थान संयुक्त रूप से गुणवत्तापरक अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन करने के साथ ही संयुक्त रूप से कार्यशालाओं का आयोजन भी करेंगे। कुलपति प्रो. धीमान ने कहा कि स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत एक-दूसरे संस्थानों में छात्रों से कोई अतिरिक्त प्रवेश अथवा ट्यूशन फीस भी नहीं ली जाएगी। इस कार्यक्रम में एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के रिसर्च एंड कंसलटेंसी के डीन डा. हरिहरन मुथुसामी, एनआइटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, हिमाचल तकनीकी विवि के डीन अकादमिक प्रो. जयदेव, कुलसचिव अनुपम कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

हिमाचल तकनीकी विवि हमीरपुर के कुलपति सभागार मे एमओयू पर हस्ताक्षर करते (दायें) से एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी, हिमाचल तकनीकी विवि के कुलपति प्रो. शशि कुमार धीमान ● साभार एनआइटी

हमीरपुर विवि के साथ मिलकर कार्य करेंगा एनआईटी उत्तराखंड

श्रीनगर (एसएनबी)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर के बीच अकादमिक और अनुसंधान सहयोग पर आधारित एक एमओयू साइन हुआ। इस एमओयू पर एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो.ललित कुमार अवस्थी व तकनीकी विवि के कुलपति प्रो.शशि कुमार धीमान ने मिलकर हस्ताक्षर किए।

एमओयू के प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा करते हुए प्रो.अवस्थी ने बताया कि बहुविषयक और समग्र शिक्षा कौशल विकास और रोजगार योग्यता,अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों में क्षमता निर्माण, डिजिटल सशक्तिकरण और ऑनलाइन शिक्षा, समान और समावेशी शिक्षा, भारतीय ज्ञान प्रणाली और उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण आदि प्रमुख विषय हैं। प्रो.अवस्थी ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और सफलतापूर्वक संपादन के लिए एनआईटी, उत्तराखंड द्वारा देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए जा रहे है, जिससे अनुसंधान, नवाचार सहित अन्य शैक्षणिक गतिविधियों को एक-दूसरे संस्थानों के साथ साझा किया जा सके या संयुक्त रूप से किया जा सके।

इससे प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को एक-दूसरे संस्थानों को शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी मिल पाएगी। कहा कि इस एमओयू में स्पेशल स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत समान संख्या में चयनित छात्रों को एक दूसरे संस्थान में क्रेडिट, ऑडिट पाठ्यक्रम में भाग लेने के साथ-साथ अनुसंधान गतिविधियों,

एमओयू साइन करते अधिकारी।

तकनीकी विवि हमीरपुर के मध्य एमओयू साइन

इंटर्नशिप, परियोजना कार्यो में भाग लेने की भी अनुमति दी जाएगी।

इसके अलावा विशेष विनिमय छात्रों के पाठ्यक्रम क्रेडिट और अर्जित ग्रेड का निर्धारण मेजबान संस्थान से प्राप्त ग्रेड रिपोर्ट के आधार पर गृह संस्थान द्वारा किया जायेगा। तकनीकी विवि के कुलपति ने एमओयू पर हर्ष जताते हुए कहा कि आने वाले समय में दोनों संस्थान संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं, पीएचडी छात्रों के संयुक्त पर्यवेक्षण, संयुक्त कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों आदि का आयोजन करेंगे।

इसके अलावा स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत एक-दूसरे संस्थानों में छात्रों से कोई अतिरिक्त प्रवेश या ट्यूशन फीस नहीं लिया जायेगा बल्कि इसका समायोजन गृह संस्थान में जमा शुल्क से किया जायेगा।

इस मौके पर एनआईटी उत्तराखंड के डॉ.हरिहरन मुथुसामी, डॉ.धर्मेंद्र त्रिपाठी आदि उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान, शनिवार, 29 अक्टूबर 2022, Page No.06.

श्रीनगर एनआईटी और हिमाचल तकनीकी विवि के बीच एमओयू हुआ। • हिन्दुस्तान

पहल | एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और तकनीकी विवि के कुलपति प्रो. शशि कुमार ने हस्ताक्षर किए

नई शिक्षा नीति एनआईटी के छात्रों के लिए होगी बेहतर

एमओयू

- एनआईटी उत्तराखंड और एचपी तकनीकी विवि के मध्य एमओयू
- स्टूडेंट दूसरे संस्थानों में जाकर शैक्षणिक गतिविधि का लाभ लेंगे

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर के बीच अकादमिक और अनुसंधान सहयोग पर आधारित एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ। इस एमओयू पर एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और तकनीकी विवि के कुलपति प्रो. शशि कुमार धीमान ने मिलकर हस्ताक्षर किए। यह एमओयू नई शिक्षा नीति के तहत एनआईटी और तकनीकी विवि के छात्र-छात्राओं के शैक्षणिक गतिविधियों के लिए लाभप्रद होगा।

एनआईटी के निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि उक्त एमओयू के तहत बहुविषयक और समग्र शिक्षा; कौशल विकास और रोजगार योग्यता; अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों का क्षमता निर्माण, डिजिटल सशक्तिकरण और ऑनलाइन शिक्षा, समान और समावेशी शिक्षा, भारतीय ज्ञान प्रणाली, और उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण आदि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के कुछ प्रमुख विषय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन और सफलता पूर्वक संपादन के लिए एनआईटी द्वारा देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं, जिससे अनुसंधान, नवाचार सहित अन्य शैक्षणिक गतिविधियों को एक-दूसरे संस्थानों के साथ साझा किया जा सके या संयुक्त रूप से किया जा सके। इससे प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को एक-दूसरे संस्थानों को शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी मिल पाएगी।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि स्पेशल स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत समान संख्या में चयनित छात्रों को एक दूसरे संस्थान में क्रेडिट/ऑडिट पाठ्यक्रम में भाग लेने के साथ-साथ अनुसंधान गतिविधियों, इंटर्नशिप, परियोजना कार्यों में भाग लेने की भी अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा विशेष विनिमय छात्रों के पाठ्यक्रम क्रेडिट और अर्जित ग्रेड का निर्धारण मेजबान संस्थान से प्राप्त ग्रेड रिपोर्ट के आधार पर गृह संस्थान द्वारा किया जायेगा। तकनीकी विवि के कुलपति ने एमओयू पर हर्ष जताते हुए कहा कि आने वाले समय में दोनों संस्थान संयुक्त रूप से अनुसंधान परियोजनाओं, पीएचडी छात्रों के संयुक्त पर्यवेक्षण, संयुक्त कार्यशालाओं, सम्मेलनों और संगोष्ठियों आदि का आयोजन करेंगे। स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत एक-दूसरे संस्थानों में छात्रों से कोई अतिरिक्त प्रवेश या ट्यूशन फीस नहीं लिया जायेगा।